an>

Title: Issue regarding killing of 7 sikh prisoners in Pilibhit Jail.

श्री प्रेम सिंह चन्द्रमाजरा (आनंदपुर साहिब) : महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार के ध्यान में एक बहुत ही महत्वपूर्ण, संवेदनशील और गम्भीर विÂषय लाना चाहता हूं।

महोदया, आज देश के एक सबसे बड़े न्यूज़पेपर में एक समाचार आया है कि उत्तर पूदेश के पीतीभीत में वर्ष 1994 में टाडा के तहत डीटेन किए हुए सात लोगों को जेल अधिकारियों ने बुरी तरह से मारपीट कर मार डाला। उस समय के मुख्यमंत्री जी ने उनकी पार्टी के एक नेता के कहने से और डिस्ट्रिक्ट मेजिस्ट्रेट की इंस्ट्र्वशन से एफआईआर दर्ज कराई। मुझे इस घटना को पढ़कर वर्केष 1984 फिर से चाद आ गया। जिस तरह से सिक्यों के साथ अत्याचार किया गया। उनके बच्चों के गतों में टायर डातकर जता दिया, लेकिन जो दोकेषी थे, जिन्होंने कत्लेआम किया, उनको एमपी और वजीर बना दिया, लेकिन किसी को सजा नहीं दे पाए।

माननीय अध्यक्ष : पेपर मत दिखाइए। आप अपनी बात कहिए।

भी प्रेम सिंह चन्द्रमाजरा: जिस सरकार ने वर्ष 1994 में जो इनक्वायरी बैठायी थी, उसने वर्ष 2007 में उसको वापस ले लिया। आज तक यह नहीं सुना कि कभी कोई चार्जशीट हुआ हैं। 42 लोग चार्जशीट हुए हैं और विंख्याचल के सुपरिटेंडेंट को फ्री कर दिया गया। मैं आपके माध्यम से माननीय गृह मंत्री जी से निवंदन करना चाहता हूं कि इसकी सीबीआई से इनक्वायरी होनी चाहिए और दोÂ िषयों को सज़ा मिलनी चाहिए। हमें इस बात का बहुत दुःख है...(खबधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों पुसाद मिश्र और

कुंवर पुÂष्पेन्द्र शिंह चंदेल को श्री प्रेम शिंह चन्द्रमाजरा द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति पूदान की जाती हैं।

…(<u>व्यवधाज</u>)

माननीय अध्यक्ष : श्री अरविंद सावंत।

आपकी बात रिकार्ड में आ चुकी हैं_। आप बैठ जाइए_।

माननीय मुलायम सिंह जी, आप क्या कहना चाहते हैं?

*m04

श्री मुलायम सिंह यादव (आज़मगढ़) : अध्यक्ष महोदया, श्री चंदूमाजरा जी ने जो कहा, उस संबंध में दोÂिषयों पर कार्रवाई की जा चुकी हैं। एक दोÂषी भागा हुआ है, वह भी आज-कल में पकड़ा जाएगा। उनके खिलाफ बहुत ही कठोर कार्रवाई की जा रही हैं। ये यहाँ पर ऐसी बातें कह रहे हैं। ...(व्यवधान) आप अखबार की बात छोड़ दीजिए। उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई हो रही हैं। एक दोÂषी भागा हुआ है, वह दो दिन में जेल के अंदर होगा।